Report on Induction Program Lecture by Dr Rahul Chaturvedi

Department of English, DAV PG College, Varanasi on **06/01/2024** organised an Induction Programme for the students of PG. In this Programme, Dr. Rahul Chaturvedi from Dept. of English, BHU, Varanasi was invited to deliver a lecture, on why literature should be read and how students should approach literature. He also emphasized that what purpose literature serves in human life. As literature breeds life and life is central subject of literature so the students must understand it's relevance and try to adopt the values and morals that literature contains. Literature primarily deals with human emotions and works for the wellbeing of all. Literature is the foundation of the making of human beings. Literature produces conscience in human beings, which guides them to understand what is good and what is bad. As per Munshi Premchand, literature must be refined and beautiful. Literature is a kind of meditation that makes us encounter ourselves. Only a self-realized man can understand life in real sense which is why literature is known as the mirror of humanity. The Programme was presided over by the faculty In-charge Prof. Mishri Lal and Vice-Principal Dr. Rahul Chaturvedi welcomed the speaker. The programme was conducted by Miss Sanskriti Pandey and Vote of thanks was presented by the head of the department of English, Prof. Indrajeet Mishra. Prof. Sangeeta Jain, Dr. Bandana Bal Chandnani, Dr. Mahima Singh and Dr. Najmul Hasan were present on the occasion.

<u>Media Coverage</u>:

साहित्य मानव निर्माण की आधारशिला : डॉ. राहुल

वाराणसी (जनवार्ता)। डीएवी पीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में शनिवार को नवप्रवेशी छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ. राहुल चतुर्वेदी ने 'साहित्य : क्या, क्यों और कैसे पढ़ें' विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि साहित्य सर्व कल्याणकारी विधा है जो हमारे अंदर मनोभावों को सिंचित कर उसमें उर्वरता प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में कहे तो साहित्य मानव निर्माण की प्रमुख आधारशिला है। वह मानव में विवेक उत्पन्न करता है जिससे वह सही और गलत के बीच भेद कर पाने में सक्षम हो पाते है। उन्होंने कहा की मुंशी प्रेमचंद ने कहा है कि साहित्य परिमार्जित और सुंदर होना चाहिए, वह एक साधना है जो हमे हमारे स्व से साक्षात्कार कराती है। एक आत्मज्ञानी ही सही मायने में जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझ पाता है, इसलिए साहित्य मानवता के प्रतिबिंब के रूप में जाना जाता है। अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. मिश्रीलाल, स्वागत उपाचार्य डॉ. राहुल ने किया। संचालन सुश्री संस्कृति एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. इंद्रजीत मिश्रा ने दिया।

वाराणसी समाचार

मानव निर्माण की प्रमुख आधारशिला है साहित्य-डाक्टर राहुल

डीएवी पीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में शनिवार को नवप्रवेशी छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉक्टर राहुल चतुर्वेदी ने

'साहित्य : क्या, क्यों और कैसे पढ़ें' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि साहित्य सर्व कल्याणकारी विधा है, जो हमारे अंदर मनोभावों को सिंचित कर उसमें उर्वरता प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में कहे तो साहित्य मानव निर्माण की प्रमुख आधारशिला है। वह मानव में विवेक उत्पन्न करता है जिससे वह सही और गलत के बीच भेद कर पाने में सक्षम हो पाते है। उन्होंने कहा कि मुंशी प्रेमचंद ने कहा है कि साहित्य परिमार्जित और सुंदर होना चाहिए, यह एक साधना है, जो हमे हमारे स्व से साक्षात्कार कराती है। एक आत्मज्ञानी ही सही मायने में जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझ पाता है, इसलिए साहित्य मानवता के प्रतिबिंब के रूप में जाना जाता है। अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर मिश्रीलाल ने किया। वक्ता का स्वागत उपाचार्य डॉक्टर राहुल ने किया। संचालन सुश्री संस्कृति एवं धन्यवाद ज्ञापन डाक्टर इंद्रजीत मिश्र ने दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉक्टर संगीता जैन, डाक्टर संदीप लाल चन्द्रवंशी, डाक्टर महिमा सिंह, डाक्टर नजमुल हसन, साकेत मिश्र आदि सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल रहे।

मानव निर्माण की प्रमुख आधारशिला है साहित्य : डॉ. राहुल

वाराणसी। डीएवी पीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में शनिवार को नवप्रवेशी छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ. राहुल चतुर्वेदी ने 'साहित्य : क्या, क्यों और कैसे पढ़े' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि साहित्य सर्व कल्याणकारी विधा है जो हमारे अंदर मनोभावों को सिंचित कर उसमें उर्वरता प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में कहे तो साहित्य मानव निर्माण की प्रमुख आधारशिला है। वह मानव में विवेक उत्पन्न करता है जिससे वह सही और गलत के बीच भेद कर पाने में सक्षम हो पाते है। उन्होंने कहा की मुंशी प्रेमचंद ने कहा है कि साहित्य परिमार्जित और सुंदर होना चाहिए, यह एक साधना है जो हमे हमारे स्व से साक्षात्कार कराती है।

समाज का आधार है साहित्य : डॉ. राहुल

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। डीएवी पीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में शनिवार को हुए इंडक्शन प्रोग्राम में मुख्य वक्ता बीएचयू के डॉ. राहुल चतुर्वेदी ने 'साहित्य : क्या, क्यों और कैसे पढ़ें' विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि साहित्य सर्व कल्याणकारी विधा है जो हमारे अंदर मनोभावों को सिंचित कर उसमें उर्वरता प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो साहित्य मानव समाज की प्रमुख आधारशिला है। उन्होंने कहा की मुंशी प्रेमचंद ने कहा है कि साहित्य परिमार्जित और सुंदर होना चाहिए, यह एक साधना है जो हमें हमारे स्व से साक्षात्कार कराती है। साहित्य मानवता के प्रतिबिंब के रूप में जाना जाता है। अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. मिश्रीलाल ने किया। स्वागत उपाचार्य डॉ. राहुल ने किया। संचालन सुश्री संस्कृति एवं धन्यवाद डॉ. इंद्रजीत मिश्रा ने दिया।